श्री मुख्तार अब्बास नक़वी का संक्षिप्त परिचय

शुरुआती सफर:

उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (प्रयागराज) के एक सामान्य एवं संभ्रांत परिवार में जन्में, पले-बढ़े श्री मुख्तार अब्बास नक़वी, कम उम्र से ही सामाजिक-राजनैतिक गतिविधियों में सक्रीय हो गए थे। आपातकाल (1975) में ''लोकनायक'' जयप्रकाश नारायण के ''संपूर्ण क्रांति'' आंदोलन में सक्रीय रहे और मात्र 17 वर्ष की उम्र में ''मीसा-डी.आई.आर'' में जेल में नजरबन्द किये गए। लोकतान्त्रिक मूल्यों एवं सामाजिक सरोकार को लेकर कई आंदोलनों-अभियानों में प्रभावी, अग्रणी, सक्रिय भूमिका निभाई।

15 अक्टूबर 1957 को इलाहाबाद (प्रयागराज) के गांव भदारी में जन्मे श्री नक़वी स्नातक एवं मास कम्युनिकेशन में पोस्ट-ग्रेजुएट हैं। श्री नक़वी लेखन, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं दस्तकारों, शिल्पकारों के उत्थान के लिए सक्रीय भूमिका निभाते रहे हैं।

चुनाव, संसद, मंत्रिमंडल:

राष्ट्रवाद, लोकतांत्रिक एवं पंथनिरपेक्ष मूल्यों के प्रति कटिबद्ध श्री नक़वी ने भाजपा के उम्मीदवार के रूप में अब तक दो विधानसभा (1991, 1993) एवं तीन लोकसभा (1998, 1999, 2009) चुनाव लड़े है। 1998 में रामपुर, उत्तर प्रदेश से लोकसभा सदस्य निर्वाचित होने के साथ भाजपा के पहले मुस्लिम लोकसभा सदस्य का रिकॉर्ड दर्ज कराया। 2002, 2010 में उत्तर प्रदेश एवं 2016 में झारखण्ड से संसद के उच्च सदन (राज्यसभा) में निर्वाचित हुए। रक्षा, वित्त, सूचना प्रौद्योगिकी, संचार, विदेश मंत्रालय, पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस, नागरिक उड्डयन, पब्लिक अंडरटेकिंग, सांसदों के वेतन एवं पेंशन आदि जैसी महत्वपूर्ण संसदीय समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्य रह चुके हैं। विदेशों में कई भारतीय संसदीय प्रतिनिधि मंडलों का नेतृत्व भी किया है।

श्री नक़वी 1998 में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में सूचना प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री रहे। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण फैसले किये जिनमे ''डायरेक्ट टू होम'' प्रसारण व्यवस्था (DTH) एवं भारतीय फिल्म क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देना शामिल है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 2014 के पहले कार्यकाल में संसदीय कार्य राज्यमंत्री एवं अल्पसंख्यक कार्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के केंद्रीय कैबिनेट मंत्री रहे। अपने सरल, मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाने वाले श्री नक़वी ने संसदीय कार्य राज्यमंत्री के रूप में राज्यसभा में सरकार के अल्पमत में होने के बावजूद विपक्ष के साथ संपर्क-संवाद-समन्वय बना कर महत्वपूर्ण विधाई कार्यों को कराने में सफलता हासिल की। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में श्री नक़वी को 31 मई 2019 को अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील मंत्रालय का केंद्रीय कैबिनेट मंत्री बनाया गया।

समावेशी सुधार, सर्वस्पर्शी सशक्तिकरण:

समाज के सभी वर्गों के साथ अल्पसंख्यकों को भी सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक प्रगति के समान अवसर एवं सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनके प्रभावी प्रयासों की सकारात्मक सफलता साफ दिख रही है।

करोड़ों गरीब-कमजोर तबके के अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को दी जा रही छात्रवृति का नतीजा है कि गरीब, आर्थिक रूप से कमजोर अल्पसंख्यक विद्यार्थियों, विशेषकर लड़कियों का स्कूल ड्रॉपआउट रेट बड़े पैमाने पर घट रहा है और साक्षरता दर में बढ़ोत्तरी हो रही है।

देश भर में पिछड़े एवं उपेक्षित क्षेत्रों में आवासीय विद्यालय, नवोदय स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, स्कूल भवन, हॉस्टल, डिग्री कॉलेज, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, कॉमन सर्विस सेंटर, हुनर हब, कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल, सद्भाव मंडप, यूनानी कॉलेज एवं स्वास्थ्य केंद्रों आदि का ''प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम'' के तहत युद्धस्तर पर निर्माण करा रहे हैं। साथ ही ''कौशल को काम'' अभियान के जरिये बड़े पैमाने पर नौजवानों को रोजगार-रोजगार के मौकों से जोड़ रहे हैं।

श्री नक़वी के ''समावेशी सुधार एवं सर्वस्पर्शी समृद्धि'' की दिशा में किये गए कार्यों की वजह से भारत 100 प्रतिशत डिजिटल हज यात्रा वाला पहला देश बना; हज सब्सिडी के ''सियासी छल'' को खत्म किया और सब्सिडी के बिना भी कम खर्चे पर अब तक के सबसे ज्यादा भारतीय मुसलमान हज यात्रा पर गए; मुस्लिम महिलाओं के ''मेहरम'' (पुरुष रिश्तेदार) के साथ ही हज यात्रा की बाध्यता खत्म कर, बिना ''मेहरम'' हज यात्रा शुरू की, जिस वजह से हजारों मुस्लिम महिलाएं बिना ''मेहरम'' हज यात्रा कर रही हैं; वक्फ सम्पत्तियों के दस्तावेजों को 100 प्रतिशत डिजिटल किया गया, वक्फ सम्पत्तियों पर सामाजिक-शैक्षिक-आर्थिक गतिविधियों हेतु केंद्र सरकार की 100 प्रतिशत फंडिंग की व्यवस्था की गई जिसके चलते लाखों वक्फ सम्पत्तियों का समाज की तरक्की में सदुपयोग हो रहा है।

दस्तकारों, शिल्पकारों, कारीगरों की स्वदेशी शक्ति को मौका-मार्किट मुहैया कराने के लिए ''हुनर हाट'' जैसे प्रामाणिक-प्रभावी प्लेटफार्म के जरिये देश की दस्तकारी-शिल्पकारी की स्वदेशी विरासत का सशक्तिकरण कर रहे हैं।

कुशल संगठन कर्ता:

मिलनसार, सरल, डाउन टू अर्थ एवं कार्य कुशल नेताओं की श्रेणी में माने जाने वाले श्री नक़वी ने संगठनात्मक कार्यों में भी कुशल संगठन कर्ता की प्रामाणिक भूमिका दर्ज की है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रवक्ता, राष्ट्रीय मंत्री, भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रह चुके हैं। 2014 एवं 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान केंद्रीय चुनाव प्रबंधन-समन्वय के प्रमुख, केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य एवं पार्टी की चुनाव सुधार समिति के अध्यक्ष के रूप में कई अहम एवं चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियां सफलता के साथ निभाई हैं। कई राज्यों में भाजपा के संगठन प्रभारी की जिम्मेदारी भी कुशलतापूर्वक निभा चुके हैं।

प्रेरणा:

श्री नक़वी राजनैतिक-सामाजिक क्षेत्र में ''राष्ट्रपिता'' महात्मा गाँधी, ''लौह पुरुष'' सरदार पटेल, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, ''लोकनायक'' जयप्रकाश नारायण, डा. राम मनोहर लोहिया, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी, श्री लाल कृष्ण अडवाणी, श्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित एवं प्रेरित हैं।

वह इस सिद्धांत पर यकीन करते हैं कि, ''सीखना कभी बंद नहीं होना चाहिए, क्योंकि जीवन का हर अध्याय एक सबक है।''

साहित्य सरोकार:

श्री नक़वी साहित्य एवं लेखन से हमेशा जुड़े रहे हैं, विभिन्न राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय, सामाजिक पहलुओं पर धारदार लेख-प्रभावी रचनाएँ समय-समय पर लोगों के बीच आती रहती हैं। उनके ताजा उपन्यास ''बलवा'', ''राजलीला'', ''साइबर सुपारी'' की लोगों ने खूब सराहना की। इससे पूर्व ''दंगा'', ''वैशाली'', ''स्याह'' जैसी प्रभावशाली रचनाएँ आ चुकी हैं।